ISSN: 0973-0583

अनाथालय और परिवार में रहने वाले बच्चों के बीच कार्य दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन

उमा कुमारी

शोधार्थी, मनोविज्ञान विभाग, बी0 एन0 मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार

सार

यह अध्ययन अनाथालय और परिवार में रहने वाले बच्चों के बीच कार्य क्षमता में अंतर की जाँच करने के लिए तैयार किया गया था, जिनकी व्यक्तिगत रूप से जाँच की गई थी। इसके लिए, बिहार के 100 अनाथालयों और 100 परिवार में रहने वाले बच्चों का चयन किया गया। उन्हें कार्य-प्रभावकारिता पैमाने पर रखा गया। आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए टी परीक्षण लागू किया गया। परिणाम इस प्रकार हैं। अनाथालय और परिवार में रहने वाले बच्चों के औसत कार्य-प्रभावकारिता स्कोर के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर प्राप्त किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य सरकार को अनाथालय के बच्चों की विभिन्न समस्याओं के बारे में जागरूक करना और विभिन्न आत्म-प्रभावकारिता रणनीतियों को बनाना है जो उन्हें समस्या से बेहतर तरीके से निपटने में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार उनकी भावनाओं को बनाए रख सकते हैं। समीक्षा प्रमुख शोध निष्कर्षों के सारांश के साथ-साथ अभ्यास और नीति के लिए भविष्य की दिशाओं और निहितार्थों पर विचार के साथ समाप्त होती है।

शब्द कुँजी: अनाथालय और परिवार में रहने वाले बच्चे, पुरुष महिला और कार्य-प्रभावकारिता

परिचय

अनाथालय का मुख्य उद्देश्य अनाथ बच्चों को संसार में अपनी जगह ढूंढने में मदद करना है। इन संस्थाओं में बच्चों को न केवल शिक्षा मिलती है बल्कि उन्हें मौखिक और लिखित रूप से उनकी रूचि के अनुसार की जाती है। ये संस्थाएं बच्चों को उनकी समस्याओं का सामना करना और उन्हें हल करने के लिए उन्हें ट्रेनिंग भी प्रदान करती है। इससे बच्चों का स्वाभाविक विकास होता है और वे समाज में स्वयं के लिए एक सम्मानित स्थान हासिल करते हैं।

अनाथालय में दया और मानवता के भाव के साथ बच्चों का निरंतर विकास होता है। अनाथालय बच्चों को संयुक्त परिवार से ज्यादा सुरक्षा और शकुन प्रदान करती है। वहां बच्चों को न सिर्फ खुशहाली की जगह मिलती है, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा भी मिलती है, जो उनके भविष्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। इस प्रकार, अनाथ बच्चों के लिए अनाथालय एक बहुत महत्वपूर्ण संस्था होती है। इस बच्चों का संभावना से अधिक विकास होता है और उन्हें एक बेहतर भविष्य की उम्मीद मिलती है। अनाथ बच्चों को उनके अधिकारों का पूरा लाभ नहीं मिलता है, जिससे उनका शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए, अनाथालय न केवल उन्हें घर की तरह संभालता है, बल्कि उन्हें उनके अधिकारों के बारे में भी शिक्षित करता है। अनाथालय एक स्थायी आवास संस्था होती है, जो बच्चों को संरक्षण और सहायता प्रदान करती है। यह संस्था भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था करती है ताकि बच्चों को संतुलित जीवन जीने में सक्षम बनाया जा सके।

अनाथालय वह संस्था है जो बच्चों को सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी शिक्षित करती है, जो उनके भविष्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। अनाथालय एक स्थायी आवास संस्था होती है, जहाँ अनाथ बच्चे उनके संरक्षण और सहायता के लिए रखे जाते हैं। इस संस्था के अंतर्गत बच्चों को एक संरक्षित दिनचर्या का पालन कराया जाता है, जो उन्हें स्वस्थ और सक्रिय रखता है।

कार्य दक्षता अथवा कार्य कुशलता का तात्पर्य व्यक्ति की उस योग्यता से है जिसके अन्तर्गत वह किसी कार्य या उद्देश्य को पूरा करने में जितना समय, श्रम या ऊर्जा लगाता

है। जो व्यक्ति किसी कार्य को करने में जितना ही कम समय धन एवं ऊर्जा लगाता है उसे उतना ही दक्ष माना जाता है जबकि जो व्यक्ति किसी कार्य को करने में अधिक समय, धन एवं ऊर्जा लगाता है उसे कार्य दक्षता कहा जाता है। इस प्रकार से कह सकते हैं कि दक्षता समय या ऊर्जा बर्बाद किये बिना किसी कार्य को सफलतापूर्वक करने में सक्षम होने का गुण है। यहाँ कार्य दक्षता से तात्पर्य अनाथ बच्चों के कार्यकुशलता से है कि वे किसी भी कार्य को कितना ठीक ढंग से कर लेते हैं।

अनाथ बच्चों के समायोजन में अधिक महत्वपूर्ण है कि वे अपने समूह और समुदाय के साथ जुड़े रहें और एक अच्छी संस्कृति बनाए रखें। उन्हें सामाजिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में शामिल होने का मौका देना चाहिए ताकि वे अपनी समस्याओं का समाधान खोज सके। अनाथ बच्चों के समाज में समायोजन एक अहम मुद्दा है, जिसपर अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं। इन अध्ययनों में, अनाथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक विकास और समाजीकरण के साथ-साथ समायोजन के प्रभाव को मापा जाता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि अनाथ बच्चों को समाज में समायोजित करने के लिए उन्हें संगठित समूह और समुदाय में शामिल होना चाहिए। इसके लिए अनाथालयों में विभिन्न आधारभूत सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं, जो उन्हें अपनी पहचान का एक मानवीय अंग बनाने में मदद करती है।

एक अन्य अध्ययन में, अनाथ बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और संघर्षों से निपटने की क्षमता समानांतर आयोजित बच्चों से अधिक थी। इससे स्पष्ट होता है कि समायोजन अनाथ बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि अनाथ बच्चों के लिए समायोजन उनके अच्छे संदर्भों और अधिकांश मामलों के साथ एक बेहतर अवसर बनाता है। इसके अलावा, अनाथ बच्चों का समायोजन अन्य बच्चों की तुलना में कम होता है, जिससे वे स्वयं को एक अलग वर्ग के रूप में महसूस करते हैं।

परिकल्पना :

परिवार और अनाथालयों में रहने वाले बालक-बालिकाओं के कार्य दक्षता में सार्थक भिन्नता होगी।

प्रतिदर्श:

वर्तमान अध्ययन में परिवार और अनाथालय रहने वाले किशोर किशोरियों के बीच समायोजन और मनोवैज्ञानिक संरक्षण की तुलना करने का प्रयास किया गया है। कुल 200 किशोरों को अध्ययन के लिए भाग लिया गया। अनाथ किशोरियों को अलग-अलग बिहार के पटना से लिया गया तथा पारिवारिक किशोरियों को बिहार के पटना से अलग-अलग शहरी क्षेत्र से लिया गया। 200 प्रतिभागियों में से, 100 अनाथालय रहने वाले किशोर (पुरुष अनाथालय किशोर = 50 और महिला अनाथालय किशोर = 50) थे और शेष 100 परिवार में रहने वाले पुरुष और महिला किशोर (पुरुष = 50 और महिला = 50) थे। सभी समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को स्थिर रखने का प्रयास किया गया। प्रतिभागियों की उम्र 7-18 साल के बीच थी। सभी प्रतिभागियों को समावेशन और बहिष्करण मानदंडों के आधार पर चुना गया था।

डिजाइन (Design):

चूंकि अध्ययन में दो समूहों के डिजाइन (अनाथालय में रहने वाले किशोर समूह और परिवार में रहने वाले किशोर) का इस्तेमाल किया गया था। अनाथालय में रहने वाले किशोर समूह में क्रमश: एक सौ (n =100) और परिवार में रहने वाले किशोर क्रमश: एक सौ (n = 100) होते हैं। अनाथालय में रहने वाले किशोर समूह, प्रतिभागियों को क्रमश: पुरुष (n=50),और महिला (n =50) के रूप में दो अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया था। इसी तरह, परिवार में रहने वाले किशोर फिर से दो अलग-अलग समूहों में क्रमश: पुरुष (n = 50), और महिला (n = 50) के रूप में लिंग के रूप में विभाजित हो गए।

उपाय /उपकरण (Measures/Tools):

Indian Adaptation of Maslow]s Security & Insecurity Inventory

तसनीम नकवी द्वारा विकसित मास्लो की सुरक्षा और असुरक्षा की भावना सूची (नकवी, 1986) का भारतीय अनुकूलन। इन्वेंटरी को देब, सिबनाथ और मोदक, सुभाषिस (2008) द्वारा स्थानीय रूप से रूपांतरित किया गया था। सूची का उद्देश्य सुरक्षा की भावना का पता लगाना

और मापना था। वर्तमान सूची में 47 आइटम शामिल हैं। वर्तमान इन्वेंट्री की विश्वसनीयता की गणना स्प्लिट हाफ विधि (विषम विधि) और टेस्ट-रीटेस्ट विधि (n= 150) पर की गई थी, जो क्रमशः .84 और .73 थी। वैधता गुणांक बहुत

Variables	Group	N	Mean	SD	SED	t	P
कार्य दक्षता	अनाथालय में रहने वाले बच्चे	100	25.52	3.746	.561	17.795	<.001
	पारिवारिक जीवन बच्चे	100	34.50	4.174			

अधिक .834 पाया गया। आइटम कुल सह-संबंध मूल्य . 41 से .83 के बीच था। इन्वेंट्री का उच्च स्कोर उच्च सुरक्षा का संकेत देता है, जबकि कम अंक असुरक्षा को दर्शाता है। यदि उत्तरदाता इस बात से सहमत है तो उसे कॉलम 'हां' के आगे 'X' और असहमत के कॉलम में 'नहीं' में Y लगाना होता है। प्रश्नावली में पूरे आइटम का उत्तर देना आवश्यक है।

परिणाम और चर्चा:

परिकल्पना- परिवार और अनाथालयों में रहने वाले बालक-बालिकाओं के कार्य दक्षता में सार्थक भिन्नता होगी।

तालिका: अनाथालय में रहने वाले बच्चों और परिवार में रहने वाले बच्चों के औसत कार्य दक्षता स्कोर के बीच माध्य, एस.डी. और एस.ई.डी. तथा टी-अनुपात के परिणाम।

उपरोक्त तालिका में दिए गए परिणामों से यह प्रतीत होता है कि अनाथालय में रहने वाले बच्चों और परिवार में रहने वाले बच्चों का औसत कार्य दक्षता स्कोर क्रमशः 24. 52 और 34.50 पाया गया। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अनाथालय में रहने वाले बच्चों की तुलना में परिवार में रहने वाले बच्चों ने कार्य दक्षता पर अधिाक अंक प्राप्त किए। इसका अर्थ है कि अनाथालय में रहने वाले बच्चों की तुलना में परिवार में रहने वाले बच्चों की कार्य क्षमता बेहतर होती है। अनाथालय में रहने वाले बच्चों और परिवार में रहने वाले बच्चों के लिए मानक विचलन क्रमशः 3.746 और 4. 174 थे। दो पीएस समूहों के बीच टी-अनुपात 17.795 आया जो .01 स्तर से परे महत्वपूर्ण था।

निष्कर्षः

इस निष्कर्ष से पता चलता है कि पुरुष अनाथालय और परिवार के बच्चों में महिला अनाथालय और परिवार के बच्चों की तुलना में बेहतर कार्य दक्षता काफी अधिक थी। अतः परिकल्पना जिसमें कहा गया है कि अध्ययन के निष्कर्ष से परिवार और अनाथालयों में रहने वाले बालक-बालिकाओं के कार्य दक्षता में सार्थक भिन्नता होगी सत्य सिद्ध हुआ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. जिया, जेड, तियान, डब्ल्यू., लियू, डब्ल्यू., काओ, वाई., यान, जे., और शुन, जेड. (2010)। क्या बुजुर्ग प्राकृतिक आपदा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं? 2008 के सिचुआन भूकंप के व्यस्क बचे लोगों का जनसंख्या-आधारित सर्वेक्षण। बीएमसी पब्लिक हेल्थ, 10(1), 1-11।
2. कटियाल, एस (2015) अनाथ और गैर अनाथ बच्चों में लचीलेपन का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिटिलनरी रिसर्ज एंड डेवलेपमेंट, 2 (7), 323-327।
3. कौर, आर० और सिंह, पी० (2015) कार्यस्थल पर प्रदर्शन के संकेतक के रूप में भावनात्मक बुद्धिमता : बैंकिंग बिरादी के साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्क ऑर्गनाइजेशन एंड इंमोशन, 12 (1), 48-63 ।
4.. साहद, एस.एम० मोहम्मद, जेड., और शुकरी, एम० (2017)। अनाथ और गैर-अनाथ किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य मं अंतर/मनोज्ञिान में अकादमिक अनुसंधान के अर्न्तराष्ट्रीय जर्नल 5(1), 556-651

5. ब्रूस, एन. डी., और त्सोत्सोस, जे. के. (2009)। प्रमुखता, ध्यान और दृश्य खोज एक सूचना सैद्धांतिक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ विजन, 9(3), 5-5।

6. क्रेनशो डी. ए., और गारबारिनो, जे. (2007)। छिपे हुए आयाम. हिंसक युवाओं में गहरा दुख और छिपी हुई संभावनाएँ। जर्नल ऑफ ह्यूमनिस्टिक साइकोलॉजी, 47(2), 160-174।

7. धीर, ए., योसाटोर्न, वाई., कौर, पी., और चेन, एस. (2018)। ऑनलाइन सोशल मीडिया थकान और मनोवैज्ञानिक कल्याण-बाध्यकारी उपयोग, छूट जाने का डर, थकान, चिंता और अवसाद का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफोर्मेशन मैनेजमेंट, 40, 141-152।

8. इवांस, जी. डब्ल्यू., और इंग्लिश, के. (2002)। गरीबी का वातावरण। कई तनावों का सामना, मनोवैज्ञानिक तनाव और सामाजिक-भावनात्मक समायोजन। बाल विकास, 73(4), 1238-1248।

9. हर्मेनौ, के., हेकर, टी., रुफ, एम., शॉअर, ई., एल्बर्ट, टी., और शॉअर, एम. (2011)। एक अफ्रीकी अनाथालय में बचपन की प्रतिकूलता, मानसिक अस्वस्थता और आक्रामक व्यवहार आघात-केंद्रित चिकित्सा और एक नई निर्देशात्मक प्रणाली के कार्यान्वयन के प्रति प्रतिक्रिया में परिवर्तन। बाल और किशोर मनोचिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य, 5(1), 1-9।

10. जैन, ए० अनाथ और गैर अनाथ बच्चों के जीवन संतुष्टि और समायोजन का अध्ययन।